Q) What is observation method? Define its merits and demerits.

Ans:- मनोवैज्ञानिक शोध में data collection के लिए कई तरह के tools techniques या methods का व्यवहार किया जाता है। जिसमें observation method एक महत्वपूर्ण प्रविधि है। P.V. Young (1966) के अनुसार स्वतः घटित घटनाओं के द्वारा क्रमबद्ध एवं सुविचारित अध्ययन को निरीक्षण कहते हैं।

"Observation is a systematic and deliberate study through the eye of spontaneous occurrences at the time they occur." लेकिन इस परिभाषा में सुधार लाते हुए Reber (1987) ने निरीक्षण के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए बताया है कि "Observation methods generally refers to any of procedures and techniques that are used in non experimental research to assist in making accurate observation of events".

निरीक्षण विधि का तात्पर्य उन कार्य प्रणालियों तथा प्रविधियों से है जिनका व्यवहार अप्रयोगात्मक शोध में घटनाओं के निरीक्षण के लिये किया जाता है।

जब Watson महोदय ने व्यवहार को मनोविज्ञान की विषय वस्तु माना तब मनोविज्ञान की विधि निरीक्षण विधि माना गया। निरीक्षण विधि एक ऐसी विधि से है जिसके द्वारा प्राणी के व्यवहार

का अध्ययन [illegible] परिस्थिति में तटस्थ भाव से किया जाता है। निरीक्षण करनेवाला प्राणी के व्यवहार का अध्ययन उसी रूप में बार बार करता है जिस रूप में होता है। निरीक्षण विधि अनुसंधान की एक महत्वपूर्ण विधि है। इस विधि में अनुसंधानकर्ता अध्ययन विषय को अपने सामने रखता है और उसके विभिन्न पक्षों का अवलोकन यथा संभव तटस्थ भाव से करता है तथा निरीक्षण करके आवश्यक सूचनाएं प्राप्त करने का प्रयास करता है।

गुण (merits) :-

निरीक्षण विधि के निम्नलिखित गुण हैं—

(1) **Objective method वस्तुनिष्ठ विधि :-**

इस विधि का प्रधान गुण यह है कि यह वस्तुनिष्ठ विधि है क्योंकि निरीक्षणकर्ता प्राणी के व्यवहार का अध्ययन तटस्थ भाव से करता है। वह निरीक्षण उसी रूप में करता है जिस रूप में वह व्यवहार होता है। यहाँ निरीक्षणकर्ता न तो दूसरे के कथन पर विश्वास करता है न किसी तरह का अनुमान करता है। इस विधि द्वारा प्राप्त परिणाम विश्वसनीय होता है।

(2) **Repetation पुनरावृत्ति :-**

इस विधि में पुनरावृत्ति का गुण पाया जाता है क्योंकि

व्यवहार अधिक स्थिर होता है। इसलिए इसका बार बार निरीक्षण करना संभव होता है। जैसे :→ चूहा को पकड़ते समय बिल्ली का जो व्यवहार होता है वह प्रायः सभी परिस्थिति में समान होता है। अतः निरीक्षणकर्ता बिल्ली के इस व्यवहार का बार बार अध्ययन कर सकता है।

③ Verification प्रमाणीकरण :→

निरीक्षण विधि की मुख्य बात यह है कि इस विधि से प्राप्त सूचनाओं सत्यापन को भी आसानी से किया जा सकता है। बहुत से निरीक्षण करने वाले एक ही व्यावहारिक घटना को कई बार निरीक्षण करके इस घटना का सत्यापन करा सकता है। जो कि अन्य विधि में यह सुविधा प्राप्त नहीं है।

④ Wide scope :→ व्यापक क्षेत्र :→

इस विधि का अध्ययन विधि का क्षेत्र काफी व्यापक है। जैसे :- पशु, बच्चे, गूँगे, बहरे, पागल आदि का अध्ययन अन्य विधि द्वारा संभव नहीं है। लेकिन निरीक्षण विधि द्वारा कुछ ऐसे विषयों का अध्ययन संभव होता है जिसका अध्ययन प्रयोगात्मक विधि से संभव नहीं है।

⑤ Time and labour saving समय तथा श्रम की बचत :→

इस विधि में समय तथा श्रम की काफी बचत होती है। क्योंकि एक ही

Scanned with CamScanner

साथ अनेक व्यक्तियों का अध्ययन किया जा सकता है। लेकिन अन्य विधि में इस तरह की बात नहीं है। अन्य विधि एक ही व्यक्ति पर अध्ययन एक बार में संभव है। इस प्रकार निरीक्षण विधि में समय तथा श्रम की बचत होती है।

(6) Quantative Study मात्रात्मक अध्ययन :-

इस विधि से ऐसा आँकड़ा प्राप्त होता है जिसका मात्रात्मक एवं सांख्यिकीय विश्लेषण किया जा सकता है और इस विश्लेषण के आधार पर विश्वसनीय निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

(7) परिकल्पना के निर्माण में सहायक :-

परिकल्पना के निर्माण में सहायक होने का गुण इस विधि में पाया जाता है। क्योंकि निरीक्षणकर्ता अनेक घटनाओं का निरीक्षण करता है। और उसका अनुभव बढ़ता जाता है। और अनुभवों का स्रोत परिकल्पना के निर्माण का मुख्य साधन है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि निरीक्षण विधि में कुछ ऐसे गुण पाए जाते हैं जिनके कारण यह विधि अन्य विधि की तुलना में कहीं अधिक वैज्ञानिक है।

Scanned with CamScanner